सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 56 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 1 अप्रैल, 2026

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाइए।

-दलाई लामा

लखनऊ का पहला मुकाबला दिल्ली... 7 | बिहार की सियासी चर्चा एकबार फिर... 3 | भ्रष्टाचार के खुलासों के बाद भी... 2

एनडीए सरकार के फैसलों पर विपक्ष का प्रहार

लोकसभा सीटों में बढ़ोत्तरी पर उठे सवाल

कांग्रेस ने केंद्र के प्रस्तावित विधेयक पर जताई कड़ी आपत्ति

» बीजू पटनायक पर बयान देकर फंसे निशिकांत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनिया पश्चिम एशिया के संकट से जूझ रही है।ऐसे में भारत भी उससे अछूता नहीं है। जैसे यहां पर तेल व गैस के लिए मारामारी मची हुई। हालांकि सरकार सब कु छ नियंत्रण में रहने की बात कर रही है। पर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। विपक्ष सरकार की कुछ निर्णयों पर उसे घेर रहा है। जैसे एटीएफ, कमर्शियल सिलेंडर व प्रीमियम तेलों के दाम बढ़ानें को लेकर कांग्रेस, सपा, टीमएमसी से लेकर डीएमके तक सरकार के ऊपर सवाल उठा रहे हैं।इन सबके बीच कांग्रेस ने जनगणना व लोसीटो की संख्या के तरीके पर भी उंगली उठाई है।

उधर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दिग्गज दिवंगत नेता बीजू पटनायक पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। बता दें राजधानी दिल्ली में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएपफ) यानी जेट फ्यूल की कीमतों में 100 प्रतिशत की अधिक की बढ़ोतरी को लेकर जताई जा रही आशंका गलत साबित हुई। पहले खबरें आई थीं कि एटीएफ की कीमतें दोगुने से ज्यादा बढ़कर दो लाख रुपये प्रति किलोलीटर के पार पहुंच गई हैं। हालांकि, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक बढ़ोतरी इससे काफी कम है। कीमतों में लगभग 8.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वर्तमान कीमत करीब 1.04 लाख रुपये प्रति किलोलीटर है।

19

किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में 195.50 रुपये की बड़ी बढ़ोतरी की है।

कमर्शियल सिलेंडर, प्रीमियम व एटीएफ के दाम बढ़ाने पर भी सरकार पर निशाना

30 दिन में 310 रुपये बढ़ गए कमर्शियल सिलेंडर के दाम

फाइनेंशियल ईयर के पहले दिन ही लोगों को महंगाई का झटका लगा है. मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के कारण कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों (आयल पीएसयूएस) ने आज, यानी 1 अप्रैल से अपने 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में 195.50 रुपये की बड़ी बढ़ोतरी की है। अब दिल्ली में इस सिलेंडर का दाम बढ़ कर 1883 रुपये से बढ़कर 2078.50 रुपये हो गया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 1 मार्च को 1768.50 रुपये थे, जो 7 मार्च को बढ़कर 1883 रुपये हो गए थे। इसके बाद अब 195.50 रुपये बढ़कर 2078.50 हो गए हैं, यानी 1 मार्च से अब तक 310 की कुल बढ़ोतरी हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, कोलकाता में आज से 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2208.00 रुपये, मुंबई में 2031.00 रुपये और चेन्नई में 2246.50 रुपये हो गई है।

बैकफुट पर भाजपा सांसद- अब मांगी माफी

बीजेपी के सीनियर नेता और सांसद निशिकांत दुबे ओडिशा के पूर्व सीएम बीजू पटनायक पर टिप्पणी कर बुरे फंस गए। हालांकि उन्होंने अपने बयान पर सफाई भी दी। लेकिन बीजू जनता दल उन पर हमलावर है। इतना ही नहीं वह अपनी पार्टी के नेताओं के भी निशाने पर आ गए लेकिन अब उन्होंने बिजू बाबू को लेकर की गई टिप्पणी पर माफी मांग ली है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिजू पटनायक के बार में उन्होंने जो भी कहा, उसका गलत अर्थ निकाला गया। इसके साथ ही निशिकांत ने ये भी साफ किया कि ये उनका निजी विचार था। पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं।

लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि पर घमासान

लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के कथित प्रस्ताव पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस कदम को अन्यायपूर्ण और दक्षिण भारत के हितों के खिलाफ बताते हुए तीखा हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया है कि मोदी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने की पृष्ठभूमि में लोकसभा का आकार बढ़ाने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया, ''मोदी सरकार लोकसभा का आकार 50 प्रतिशत बढ़ाने के लिए एक विधेयक को पारित करने का प्रस्ताव कर रही है। प्रत्येक राज्य को आवंटित सीट की संख्या में भी 50 प्रतिशत की वृद्धि का प्रस्ताव है।'' उन्होंने कहा, ''यह तर्क देना भ्रामक है कि कुल सीट में 50 प्रतिशत की वृद्धि न्यायसंगत है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि अनुपात फिलहाल नहीं बदल सकता है लेकिन इसके गहरे निहितार्थ हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

लोस सीटों में बढ़ोत्तरी दक्षिण भारत के लिए अन्यायपूर्ण : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश के अनुसार प्रस्ताव के तहत लोकसभा की कुल सीटों में 50प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी, जिसका सीधा असर प्रत्येक राज्य को आवंटित सीटों पर पड़ेगा। कांग्रेस का तर्क है कि इससे उत्तरी राज्यों को तो भारी फायदा होगा, लेकिन दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों का संख्याबल कमजोर हो जाएगा।

लोकसभा में विभिन्न राज्यों के मौजूदा संख्याबल के अंतर में किसी भी तरह की वृद्धि से दक्षिण भारतीय राज्यों को नुकसान होगा। उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 80 सीट हैं और तमिलनाडु में 39 सीट हैं। प्रस्तावित विधेयक के साथ, उप्र की लोस सीट की संख्या बढ़कर 120 हो जाएगी जबकि तमिलनाडु में अधिकतम 59 सीट हो पाएंगी। इसी तरह, केरल में लोस की 20 सीट बढ़कर 30 हो जाएंगी, जबकि बिहार में 40 से बढ़कर 60 सीट हो जाएंगी। कुल मिलाकर, दक्षिणी राज्यों को 66 सीट का फायदा होगा जबकि उत्तरी राज्यों को 200 सीट का फायदा होगा।

भ्रष्टाचार के खुलासों के बाद भी इस्तीफे नहीं दे रहे भाजपाई : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- भाजपा का नैतिक दिवालियापन सामने आया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर फिर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि गिरने के मामले में रुपये और भाजपा की छवि के बीच मुकाबला चल रहा है। भाजपाई लोगों के कांड और भ्रष्टाचार के पर्दाफाश से उनकी छवि और भी नीचे गिरती जा रही है। हालांकि इन खुलासों के बाद भी इस्तीफे नहीं हो रहे हैं। भाजपा का नैतिक दिवालियापन पराकाष्ठा पर है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था और आम जनता संकट में फंस गई है। रुपए की कीमत लगातार गिरती जा रही है। महंगाई बढ़ रही है। रसोई गैस सिलेंडर लिए देश में जगह-जगह लाइन है। युद्ध के कारण आए ऊर्जा संकट को लेकर इस सरकार में कोई तैयारी नहीं की। भाजपा सरकार देश की जनता को गुमराह करती रही।

देश की विदेश नीति तय कर रहे हैं विदेशी लोग

देश की विदेश नीति विदेशी तय कर रहे हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट में सरकार तमाशाई बनी रही। इस विनाशकारी लड़ाई का असर हमारी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आम जनता पर पड़ रहा है।

प्रवेश शुल्क में वृद्धि की समीक्षा होगी : सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार प्रवेश शुल्क में हाल ही में हुई वृद्धि की समीक्षा कर रही है और कानून-व्यवस्था की किसी भी तरह की स्थिति से बचने के लिए इसे तर्कसंगत बनाने पर विचार करेगी। उन्होंने सार्वजनिक अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने का बचाव भी किया।

शिमला में मीडिया से बात करते हुए सुक्खू ने कहा कि प्रवेश शुल्क में वृद्धि को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन गलतफहमियों पर आधारित हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि यह शुल्क नया नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रवेश शुल्क पहले भी लागू था, यहां तक कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भी। हमने इसे केवल तर्कसंगत बनाया है। यह धारणा कि इसमें अचानक वृद्धि हुई है, सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार एक तुलनात्मक विवरण तैयार कर रही है और उन क्षेत्रों की जांच करेगी जहां दरें कम की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि यदि तर्कसंगत बनाने की कोई गुंजाइश है, तो हम यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करेंगे कि कोई कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। मैं पंजाब के मुख्यमंत्री से भी बात करूंगा, क्योंकि कुछ दावे गलत हैं। उन्होंने अंतर-राज्यीय सीमाओं पर तनाव का जिक्र करते हुए यह बात कही।

कमजोर वर्ग की महिलाओं को अलग से मिले आरक्षण : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- ध्यान दे केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कमजोर वर्ग की महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की मांग उठाई है। यूपी के पदाधिकारियों की बैठक में उन्होंने कहा कि कमजोर वर्गों की महिलाओं को अलग से आरक्षण नहीं दिये जाने से इन वर्गों का अपेक्षित विकास कितना संभव हो पाएगा, यह सोचने वाली बात है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस पर ध्यान देने का अनुरोध किया है।

बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल की मौजूदगी में उन्होंने सभी राज्य और जिला स्तर के पदाधिकारियों से चुनाव की तैयारियों के बारे में रिपोर्ट ली। इसकी समीक्षा के बाद और बेहतर बनाने का निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी उदासीनता से त्रस्त करो ?ें लोग बसपा की ओर काफी उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं। इस पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा, लगन व मेहनत से कार्य करना जरूरी है। खासकर यूपी जैसे पिछ? राज्य में रोटी-रोजी की समस्या और विकट होती जा रही है। सरकार खोखले वादों व जुमलेबाजी से

ही लोगों की भूख-प्यास, गरीबी व बेरोजगारी मिटाना चाहती हैं, जो दुखद है। मायावती ने कहा कि अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध युद्ध से रसोई गैस व पेट्रोलियम पदार्थों का संकट बढ़ रहा है।

वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे गरीब व मेहनतकश समाज का गरीबी में आटा और गीला है। इसके समाधान के लिए सरकार को लगातार प्रभावी कदम उठाते रहना चाहिए ताकि देश को नोटबंदी तथा कोरोना महामारी जैसा संकट फिर नहीं झेलना पड़े। विपक्ष को भी विश्वास में लेकर दीर्घकालीन नीति पर कार्य करना जरूरी है।

आंबेडकर जयंती पर राजधानी लखनऊ में होंगे कार्यक्रम

उन्होंने 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को पूरी मिशनरी भावना के साथ लखनऊ में मनाने को कहा, जिसमें सभी 18 मंडलों से पार्टी के लोगों से अंबेडकर स्मारक में परिवार सहित आने की अपील की। नोएडा में स्थापित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर मरम्मत का कार्य शुरू होने की वजह से मुख्य कार्यक्रम राजधानी में ही आयोजित होगा।

अपराधियों को जगह नहीं

बसपा सुप्रीमो ने यूपी चुनाव की तैयारियों को लेकर कहा कि आपराधिक तत्वों को दूसरी पार्टियों की तरह कतई प्रश्रय नहीं दिया जाए। साथ ही बसपा के अपनी कथनी व करनी में सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की विशिष्ट पहचान रखने वाली पार्टी होने के कारण प्रत्याशियों को शार्टलिस्ट करते समय सर्वसमाज को उचित एवं समुचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा भी मुद्रा के मूल्य में गिरावट के साथ घट रही है: सुरजेवाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि रुपये के एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95 का आंकड़ा पार करने के साथ ही प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा भी मुद्रा के मूल्य में गिरावट के साथ घट रही है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए सुरजेवाला ने रुपये के गिरते मूल्य को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को याद किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जब एक अमेरिकी डॉलर 54 रुपये के बराबर था, तब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से कहते थे कि रुपये के साथ-साथ प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा भी गिरती है। उनके प्रधानमंत्री रहते हुए अब रुपये का मूल्य इतना गिर गया है कि एक अमेरिकी डॉलर 95 रुपये के बराबर हो गया है। इससे निर्यात को नुकसान हो रहा है, उद्योगों और व्यापार पर असर पड़ रहा है। क्या अब प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा नहीं गिर रही है?

केंद्र सरकार स्थिति का जायजा ले : डीके शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्र सरकार से स्थिति का जायजा लेने और सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया। शिवकुमार ने

कहा कि रुपया गिर गया है, डॉलर बढ़ गया है। इसका असर आम आदमी पर पड़ रहा है। मुझे केंद्र सरकार की नीतियों की जानकारी नहीं है। हमारी मांग है कि केंद्र सरकार स्थिति को नियंत्रित करे और सामान्य स्थिति बहाल करे। सोमवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर 95.23 पर पहुंच गया, जो घरेलू और विदेशी मुद्रा बाजारों में तीव्र अस्थिरता को दर्शाता है।

हम लोग जो कहते हैं, वो करते हैं : एम. के. स्टालिन

» रैली में बोले- तमिलनाडु में कोई जातिगत दंगे नहीं होते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में चुनावी बिगुल फूंकते हुए डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को तिरुचिरापल्ली से अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। करुणानिधि का बेटा हूँ के उद्घोष के साथ स्टालिन ने आगामी चुनावों के लिए लोकलुभावन वादों का पिटारा खोलते हुए विशेष रूप से किसानों और महिलाओं को साधने की कोशिश की है।

स्टालिन ने तमिलनाडु चुनावों से पहले बड़े वादे किए उन्होंने कहा कि राज्य में

डीएमके सरकार बनने के तुरंत बाद, तिरुचि क्षेत्र में एक बड़ी लाइब्रेरी, टाइडेल पार्क और ओलंपिक अकादमी शुरू की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि तिरुचिरापल्ली को राजधानी चेन्नई के बराबर विकसित किया जा रहा है। स्टालिन ने कहा, हम जो कहते हैं, वही करते हैं और जो करते हैं, वही कहते हैं। मैं करुणानिधि का बेटा हूँ। एआईडीएमके जो 10 साल तक सत्ता में रही, उसने तमिलनाडु को पतन की ओर धकेल दिया। भाजपा ने तमिलनाडु को कोई फंड नहीं दिया है। एडप्पादी पलानीस्वामी ने सरकार सिर्फ इसलिए चलाई ताकि वे अपने रिश्तेदारों को ठेके दे सकें।

स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार ने अपने वादों को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिसमें बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा भी शामिल है। यह कहते हुए कि तमिलनाडु में कोई जातिगत दंगे नहीं होते, उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक हिंसा भाजपा शासित राज्यों में देखने को मिलती है।

बिहार की सियासी चर्चा एकबार फिर जोरों पर

नए मुख्यमंत्री को लेकर रस्साकशी

- जदयू-भाजपा में मंथन जारी
- विपक्ष का दावा इसबार डमी होगा सीएम
- राजद व सुराज ने कसा तंज, मोदी-शाह की ही चलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की सियासी चर्चा एकबार फिर जोर पकड़ चुकी है। अब चूकि ये तय हो गया है कि नीतीश कुमार राज्य सभा जा रहे है। ऐसे में राज्य में सीएम की कुर्सी खाली हो जाएगी। पटना की सियासत में अब ये चर्चा आम हो गई है कि इसबार भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री बनेगा। इनसबके बीच विपक्ष भी तेवर में आ गया है। वो कह रहा है कि सीएम मोदी व शाह की पसंद का होगा जो उनके इशारे पर काम करेगा। 20 साल बाद नीतीश युग समाप्त होने वाला है।

बिहार के सीएम की कुर्सी पर कोई और बैठेगा और वो बीजेपी से हो सकता है। लेकिन क्या नीतीश कुमार जैसे हार्ड बारगेनर के सामने बीजेपी के लिए ये आसान टास्क है? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना सपना पूरा करने गए हैं। पर इसके पहले राजनीति का सफर एक विधायक के रूप में शुरू करने वाले नीतीश कुमार ने जिम्मेदारियां लेने का एक पहाड़ तो खड़ा किया ही। इस जिम्मेदारी में नैतिकता दिखी, कुछ बड़ा और अलग हट कर करने की लालसा दिखी और उम्र के बीतते पड़ाव के साथ साथ कार्यक्षमता की दक्षता भी बढ़ते अंदाज में दिखी। नीतीश की राजनीति को अगर कुछ शब्दों में बांधा जाए तो ये महत्वपूर्ण शब्द क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीतियां रही।

सीएम नीतीश कुमार को भी राज्यपाल कार्यकारी सीएम बने रहने को कह सकते हैं

पटना के पॉलिटिकल एक्सपर्ट के मुताबिक बिहार में ऐसा पहले भी हो चुका है। जब तक नई सरकार का गठन नहीं होता है सीएम नीतीश कुमार को भी राज्यपाल कार्यकारी सीएम बने रहने को कह सकते हैं। संभावनाएं व्यक्त की जा रही है कि बीजेपी का कोई पूर्णिकालिक सीएम न होकर कार्यकारी सीएम होगा। जिससे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पर असर न पड़े।

नीतीश कुमार ने एमएलसी पद छोड़ा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता, यानी एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया। नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। राज्यसभा सांसद बनने के बाद संवैधानिक व्यवस्था के मुताबिक उनको एमएलसी पद से 14 दिनों में त्याग पत्र देना जरूरी था। यह 14 दिन की अवधि आज, 30 मार्च को समाप्त होने से पहले उन्होंने एमएलसी का पद त्याग दिया। हालांकि वे अभी मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं।

नीतीश को महागठबंधन के एमएलए ने दिया ऑफर

नीतीश कुमार महागठबंधन के लिए जनादेश लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और एनडीए को मिले जनादेश पर महागठबंधन के सीएम रह चुके हैं। अब जब वह बिहार में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी के बीच राज्यसभा जाने को तैयार हो गए हैं तो महागठबंधन से बड़ा ऑफर सामने आया है। 2025 के बिहार चुनाव में 202 के मुकाबले 35 पर आए महागठबंधन के एक चर्चित विधायक ने नीतीश कुमार को उनके गठबंधन में वापसी का ऑफर दिया है, वह भी बगैर शर्त। कहा है कि सीएम बनाएंगे, इधर आ जाएं। आईपी गुप्ता ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार नीतीश कुमार की वजह से चल रही है। एनडीए वाले नीतीश कुमार के बिना प्रधानमंत्री ही नहीं बना सकते हैं। बिहार में नीतीश कुमार सरकार चला रहे हैं। भाजपा वालो साजिश कर रहे हैं लेकिन नीतीश कुमार बड़े राजनीतिज्ञ हैं। वह किसी साजिश के शिकार नहीं होने वाले हैं। नीतीश कुमार अपने मन से काम कर रहे हैं। कुछ बड़ा गेम होने वाला है। यह बड़ी रणनीति का हिस्सा है। नीतीश कुमार को फंसाना इतना आसान नहीं है। निशांत कुमार पर प्रतिक्रिया देते हुए आईपी गुप्ता ने कहा कि भाजपा वाले कभी निशांत को आगे बढ़ाना नहीं चाहेंगे। नीतीश कुमार को निपटाने में 20 साल लग गया। ऐसे में भाजपा कभी नहीं चाहेगी कि निशांत कुमार आगे बढ़े और मुख्यमंत्री बनें। भाजपा वाले बड़े बड़े नेताओं की जासूसी करवा रहे हैं। वह देश नहीं चला रहे हैं केवल नेताओं की फाइल बना रहे हैं। आईपी गुप्ता ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री बनते ही उनका दिमाग ठीक हो जाएगा।

बिहार में कार्यकारी सीएम बनाया जा सकता है

ये चर्चा बहुत तेजी से फैली है कि बिहार को अर्से बाद एक कार्यकारी मुख्यमंत्री मिल सकता है। इस चर्चा ने तब जोर पकड़ा जब रविवार को सीएम नीतीश के आवास पर एक बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में जदयू के तमाम बड़े नेता मौजूद थे। इसके बाद से ही कयासों का बाजार गर्म हो गया। पटना से दिल्ली तक इस बैठक की चर्चा सियासी गलियारे में होती रही। लेकिन इसी के बीच इस चर्चा ने जोर पकड़ लिया कि बिहार में एक कार्यकारी सीएम बनाया जा सकता है।

मोदी और गृहमंत्री शाह तय करेंगे कौन बनेगा बिहार का सीएम : प्रशांत किशोर

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति को लेकर बड़ा दावा किया है। भागलपुर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य में मुख्यमंत्री का चेहरा अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ही तय करेंगे। इस दौरान किशोर ने यह भी आरोप लगाया कि स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धीरे-धीरे साइडलाइन किया जा रहा है। भागलपुर में सरकार पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, वह चुनाव से पहले से ही स्वस्थ नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटाया जा रहा है। लेकिन बिहार की जनता के साथ विश्वासघात किसने किया? उनकी पार्टी और बीजेपी ने। अब युवाओं को एक करोड़ नौकरियां कौन देगा? उन्होंने आगे कहा, आज मुख्यमंत्री का चेहरा वही होगा, जिसे प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह चाहेंगे।

नितिन नवीन ने भी दिया इस्तीफा

बिहार के बीजेपी विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी एमएलए पद छोड़ दिया है। उन्होंने भी सोमवार को इस्तीफा दिया। नवीन भी राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध जीते हैं। राज्यसभा सांसद बनने के बाद वे भी एमएलसी पद छोड़ने के लिए बाध्य थे। नीतीश कुमार और नितिन नवीन सहित बिहार से चुने गए पांच राज्यसभा सांसदों के अप्रैल के दूसरे सप्ताह में राज्यसभा में शपथ लेने की संभावना है।

चाचा जी किए गए बिहार से तड़ी पार : रोहिणी आचार्य

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है- चाचा जी किए गए बिहार से तड़ीपार। बिहार में बीजेपी का ऑपरेशन फिनिश नीतीश संपन्न हुआ। अंततः चाचा जी के न चाहते हुए भी बीजेपी के द्वारा उनका इस्तीफा ले ही लिया गया। चाचा जी ने जैसा बोया, वैसा पाया.. कुर्सी से चिपके रहने की सुविधा के मोह में मुख्यमंत्री की कुर्सी भी गई और चला गया हाथ से बिहार समझी जा सकती है चाचा जी के अंतर्मन की चीत्कार। मार्च के पहले सप्ताह में जब नीतीश कुमार ने नामांकन दाखिल करने से पहले एक्स पर एक पोस्ट में अपनी राज्यसभा में जाने की मंशा जाहिर की थी तो रोहिणी आचार्य ने कई पोस्टों के जरिए तंज कसते हुए आगाह किया था। नीतीश कुमार ने पोस्ट में लिखा था कि, संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं।

कार्यकारी सीएम की चर्चा की अलग-अलग वजह

इस चर्चा के पीछे 3 वजहें बताई जा रही हैं। इसमें सबसे बड़ी वजह या यूं कहें कि रणनीति का हवाला दिया जा रहा है। चर्चा है कि बिहार में नीतीश कुमार सीएम का पद छोड़ देंगे। उन्हें राज्यसभा भी जाना है। हमारे एक सूत्र ने बताया कि ऐसे में नीतीश कुमार तीन महीने के लिए बतौर राज्यसभा सदस्य दिल्ली रहेंगे, लेकिन वो नए मुख्यमंत्री के काम पर नजर रखेंगे। कार्यकारी सीएम के कामकाज को नीतीश 3 महीने तक देखेंगे, अगर नए कार्यकारी सीएम का काम नीतीश की नीतियों के मुताबिक रहा तो नीतीश उन्हें आगे के लिए हरी झंडी दे देंगे। इस चर्चा के पीछे एक रणनीति या वजह ये मानी जा रही है कि ऐसे में निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। कार्यकारी सीएम और पिता नीतीश दोनों की छत्रछाया में निशांत कुमार की सत्ता वाली ट्रेनिंग होगी।

इस तरह से निशांत को दो अलग-अलग जगहों से गाइडेंस मिलेगी। पहली दिल्ली से पिता नीतीश कुमार के जरिए, जो कि लॉजिक यानी थ्योरी वाली होगी। वहीं दूसरी ट्रेनिंग प्रैक्टिकल होगी, यानी सत्ता और मशीनरी को करीब से समझना। इसके बाद निशांत कुमार को भी सीएम के चेहरे के लिए भविष्य में आगे करने में जदयू को आसानी होगी। अब अगर तीसरी वजह की बात करें तो वो असम और पश्चिम बंगाल समेत देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। चर्चा है कि बीजेपी इसी वजह से बिहार में अभी बड़ा रिस्क लेने के मूड में नहीं है। ऐसे में नीतीश कुमार सीधे सीएम की कुर्सी छोड़ कर दिल्ली जाएंगे तो इससे विरोधी इन चुनावों में बीजेपी पर गठबंधन धर्म को लेकर कई तोहमतें लगा सकते हैं। ऐसे में नीतीश के बदले एक कार्यकारी सीएम देकर बीजेपी एक तीर से कई निशाने साध सकती है। चुनावों में भी उसके पास ऐसे आरोपों पर जवाब देने के लिए एक अस्त्र मिल जाएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चुनावों में महिलाओं की भूमिका होगी अहम

चुनावों में महिलाओं की भूमिका अहम होती है। किसी भी पार्टी की सरकार हो वह अपने बजट एक अच्छा खासा भाग उनके ऊपर खर्च करता है। फिलहाल पांच राज्यों में चुनाव है। इन राज्यों की सरकारों ने भी महिलाओं को अपने ओर रखने के कई ऐलान किये हैं। विपक्ष ने भी कुछ वैसे ही वादे किए हैं। अब चुनाव परिणम ही बता पाएंगे कि किसका वादा महिलाएं स्वीकार करती हैं। आलोचनाओं के बावजूद अगर ममता, विजयन, स्टालिन, हिमंता ने ऐसी योजना को जारी रखे हुए हैं तो इसका मतलब यह भी है कि उन सबका महिला वोटरों पर भरोसा बहुत ज्यादा है। इन राज्यों में इस बार लाखों ऐसे नए वोटर जुड़े हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। विधानसभावार आंकड़ों के लिहाज से देखें तो हर विधानसभा में पहली बार वोट डालने वालों की संख्या औसतन 5761 होती है।

विधानसभा में जीत-हार का आंकड़ा बेहद नजदीकी होता है। जाहिर है कि इन नए मतदाताओं पर भी जीत-हार का आंकड़ा निर्भर होगा। यही वजह है कि विपक्षी गठबंधन के दावेदार बार-बार युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे हैं। इतना ही नहीं, वे अपनी सरकार बनने की हालत में बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने का दावा भी कर रहे हैं। कई राज्यों पलायन व घुसपैठ भी ऐसा मुद्दा है, जो युवाओं के मर्म को छूता है। यही वजह है कि इसे विपक्षी खेमे की ओर से मुद्दा बनाने की जबरदस्त कोशिश हो रही है। रोजगार की कमी के चलते कई लोग महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब का रुख करने को मजबूर हैं। चुनाव आयोग ने बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआइआर भी किया है। टीएमसी, डीएमके व कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष इस पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहा है। वोट चोरी की धारणा को इस अभियान के बहाने राहुल गांधी ने नया रुख दिया है। विपक्षी खेमे की कोशिश है कि इस मसले को जिंदा रखा जाए। उसे लगता है कि एक बार इसे छोड़ दिया गया तो वोट चोरी की धारणा ही धीरे-धीरे सवालों के घेरे में आती जाएगी। इसलिए विपक्षी खेमे की कोशिश है कि एसआइआर को बेकार बताकर इस पर सवालिया निशान खड़े करना है। विपक्ष की कोशिश महिलाओं के सम्मान के बहाने संबंधित राज्य सरकारों को घेरते हुए लोगों का समर्थन हासिल करने की है। जबकि सत्ता पक्ष इसे विपक्ष का दुष्प्रचार बताकर उसे किनारे रखने के प्रयास में जुटा हुआ है। परिणाम ही बताएंगे आगे क्या होता है।

अब चुनाव परिणम ही बता पाएंगे कि किसका वादा महिलाएं स्वीकार करती हैं। आलोचनाओं के बावजूद अगर ममता, विजयन, स्टालिन हिमंता ने ऐसी योजना को जारी रखे हुए हैं तो इसका मतलब यह भी है कि उन सबका महिला वोटरों पर भरोसा बहुत ज्यादा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानवता चुका रही संघर्षों-युद्धों की कीमत

सुरेश सेठ

समृद्ध देशों में स्थापित हथियार निर्माण उद्योग एक अत्यंत लाभकारी क्षेत्र बन चुका है। इन उद्योगों के कारण वैश्विक स्तर पर हथियारों की मांग बनी रहती है, और कई बार यह धारणा बनती है कि युद्ध और तनाव की स्थितियां इन उद्योगों के आर्थिक हितों को बढ़ावा देती हैं। परिणामस्वरूप, हथियारों के निर्यात से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था और सरकारी राजस्व को भी लाभ होता है। आज दुनिया में यह धारणा प्रबल होती है कि हथियार उद्योग के आर्थिक हित विश्व के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों के बने रहने से जुड़े रहते हैं। एक ओर शक्तिशाली देश शांति और संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कई बार उनके कदम ऐसे दिखाई देते हैं जो संघर्षों को लंबा खींच देते हैं। विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध छोटे देशों में होने वाले युद्ध अक्सर लंबी अवधि तक चलते हैं, जिनका सबसे अधिक बोझ आम नागरिकों को उठाना पड़ता है।

रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध शुरू किया गया युद्ध इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जो खनिज संसाधनों और सामरिक हितों से जुड़ी जटिलताओं के कारण चार साल से जारी है। वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में उसका अहम सर्वोपरि है। ईरान के तेल के कुओं पर अधिकार करने की उसकी मंशा वही है जो वेनेजुएला की तेल धन पर कब्जा करने की थी। लेकिन इनका अधिनायकवाद चाहे बाहरी तौर पर इस्राइल के लोगों की रक्षा करने के रूप में उभरता है, लेकिन असल खलिश यही है कि ईरान ने अपने ही तरीके से जीने की हिम्मत क्यों की? यहां भी आठ-दस दिनों में युद्ध निपटा देने की कल्पना की गई थी। पहले ही दिन ईरान की सर्वोच्च सत्ता को साफ कर देने के बाद भी इस युद्ध का अंत अब तक नजर नहीं आता। अमेरिका को यह युद्ध नाको चने चबा गया है। वह खुद कह रहा है कि यह युद्ध लम्बा हो जाएगा, जिसका असंतोष अमेरिका के आम लोगों में भी अब नजर आने लगा है। वर्तमान समय में विश्व के विभिन्न हिस्सों-जैसे गाजा पट्टी, ईरान और अफगानिस्तान में चल रहे संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्धों का दायरा लगातार फैल रहा है।

पारंपरिक रूप से युद्ध के कुछ मानवीय नियम माने जाते रहे हैं, जिनके अनुसार संघर्ष केवल सेनाओं तक सीमित होना चाहिए और आम नागरिकों, अस्पतालों तथा विद्यालयों को इससे सुरक्षित रखा जाना चाहिए। किन्तु वर्तमान परिस्थितियों में यह देखा जा रहा है कि इन सिद्धांतों की अक्सर

अनदेखी हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक, मरीज और बच्चे भी युद्ध की विभीषिका का शिकार बन रहे हैं। आधुनिक मारक हथियारों से लैस युद्धरत देश मानवीय मूल्यों की परवाह किए बगैर हिंसा के साथ मौत बरसा रहे हैं। इस्राइल और अमेरिका की साझी सेनाओं ने गाजा पट्टी को नष्ट कर दिया। हाल के संघर्षों में नागरिक क्षेत्रों पर हमलों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। ईरान से जुड़े घटनाक्रमों में स्कूलों और आम नागरिकों पर हमलों के आरोप लगे, जिनमें अनेक मासूमों की मृत्यु की खबरें सामने आईं, हालांकि संबंधित पक्षों ने इन दावों से इनकार किया और केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही। इसी प्रकार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में भी नागरिक हानि की खबरें आई हैं, जिनमें अस्पतालों पर हमले और बड़ी संख्या में हताहत होने के दावे शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर, आधिकारिक स्तर पर इन दावों का खंडन किया गया है और सैन्य लक्ष्यों पर कार्रवाई की बात दोहराई गई है। इन घटनाओं ने एक बार फिर युद्ध के मानवीय नियमों और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भारत ने अफगानिस्तान के काबुल स्थित अस्पताल पर कथित हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों के विरुद्ध अमानवीय कृत्य और संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। संयुक्त राष्ट्र में भी इस प्रकार के हमलों पर चिंता जताई गई है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है।

युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है। इसी बीच चीन और ताइवान के बीच बढ़ते तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय हैं। कुल मिलाकर, यह स्थिति दर्शाती है कि युद्ध केवल रणनीतिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों और शांति के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। ऐसे समय में आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सक्रिय भूमिका निभाए, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दे, तथा युद्धोन्माद को रोकने के लिए ठोस प्रयास करे, ताकि मानवता और वैश्विक शांति की रक्षा की जा सके।

संगीत में पुराने दौर की गरिमा लौटाने का वक्त

राजबीर देसवाल

भारतीय फिल्मी गाने कभी भी महज मनोरंजन का साधन नहीं रहे हैं; उन्होंने हमेशा समाज की भावनात्मक गहराई, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और परिष्कृत सौंदर्यबोध को प्रतिबिम्बित किया। एक समय था जब हिंदी सिनेमा ने प्रेम, आकर्षण और शारीरिक अंतरंगता जैसे विषयों को भी असाधारण गरिमा से प्रस्तुत किया था। बोल विचारोत्तेजक होते हुए भी संयमित, अभिव्यक्ति करते वक्त गरिमामय रहते थे। किंतु, वर्तमान दौर में, विशेषकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन अब लुप्तप्राय है; उसकी जगह उघड़ी कामुकता और सनसनी की प्रवृत्ति ने ले ली है। नोरा फतेही के नृत्य-गीत 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर हाल ही में खड़ा हुआ विवाद इसी बदलाव का एक उदाहरण है। इस गाने की इसके कथित अश्लील बोलों और बेहद कामुक प्रस्तुति के लिए आलोचना हुई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, अनौपचारिक बैठकों व बहस के मंचों पर जनाक्रोश दिखा। बताया जाता है कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन जैसे प्राधिकरणों ने वकील विनीत जिंदल की शिकायत के बाद मामले का संज्ञान लिया, मानवाधिकार आयोग ने भी इस बार नोटिस जारी किया। बादशाह के 'टटीरी' गीत मामले में भी कुछ ऐसा ही हंगामा देखने को मिला था। इस हरियाणवी रैप गाने का इसके बोलों और दृश्यों को लेकर व्यापक विरोध हुआ, जिन्हें अश्लील और स्त्री को बतौर वस्तु प्रस्तुत करने वाला माना गया। इसके बाद कानूनी शिकायतें दर्ज की गईं, और हरियाणा राज्य महिला आयोग ने कलाकार को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया, पेश न होने पर कड़े निर्देश जारी किए, जिनमें गिरफ्तारी, पासपोर्ट जब्ती और राज्य में उसकी प्रस्तुतियों पर रोक लगाना शामिल था। मामला और तूल पकड़ गया, जब एक एफआईआर में गाने की सामग्री अश्लील बतायी गयी-खासकर वे दृश्य जिनमें स्कूल जैसे माहौल में अनुचित चित्रण किया गया था। अंतत:, बढ़ते विरोध के दबाव में इस गाने को वापस लिया और माफीनामा भी जारी किया।

इस घटना ने जो बड़ा सवाल खड़ा किया कि कलात्मक आजादी व सामाजिक जिम्मेदारी के बीच सीमा रेखा कहां खींची जाए-वो अभी अनुत्तरित है। ये घटनाएं कोई अलग-थलग मामले नहीं; बल्कि समकालीन संगीत जगत में एक व्यापक चलन की ओर संकेत करती हैं। अनेक आधुनिक गाने अब 'सभ्य रुचि' की सीमाएं लांघते प्रतीत होते हैं। ऐसी भाव-भंगिमाएं या अभिव्यक्तियां जो खुलेआम अश्लील इशारे करती हैं, या व्यक्तियों को महज वस्तु के रूप में पेश करती हैं, ये उस जहीन और गरिमामय रोमांस के चित्रण की जगह ले रहे हैं, जो कभी फिल्मी संगीत की पहचान था। ऐसे बोल अक्सर भावनात्मक जुड़ाव पेश करने के बजाय, रोबदार छवि और खोखले दिखावे के भाव ही अधिक परिलक्षित करते हैं।

ऐसी सामग्री की बढ़ती लोकप्रियता शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक है। म्यूजिक वीडियो में अक्सर हिंसा, आक्रामकता और वस्तुवाद-बंदूकें, लक्जरी कारें और शक्ति-प्रदर्शन-जैसे दृश्य अधिक रखे जाते हैं। कुछ खास वर्ग में, जिनमें पंजाबी पॉप और रैप शामिल हैं, दबदबे और मर्दानगी के बार-बार दोहराए जाने वाले विषयवस्तु ही हावी रहते हैं। रचनात्मक स्वतंत्रता कलात्मक अभिव्यक्ति की नींव है और इसका सम्मान होना चाहिए। हालांकि, यह पहचान रखना भी उतना ही अहम है कि दीर्घकालीन कलात्मकता अक्सर कल्पनाशीलता, भाषा और संयम के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण से उभरती है। जब गूढ़ता की जगह उघड़ापन आता है, तो अभिव्यक्ति की सौंदर्यपरक गुणवत्ता कम होने लगती है। पिछले दशकों के गीतों पर नजर डालने से एक स्पष्ट अंतर दिखता है। तब भी, प्रेम, विरह और शारीरिक अंतरंगता के विषय ही मुख्य थे, फिर भी उन्हें शालीनता और काव्य-सौंदर्य के साथ व्यक्त किया जाता था। 'आज साजन मोहे अंग लगा लो' या 'पिया अंग लग लग के भई सांवली मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टतया सामीप्य की इच्छा व्यक्त करती हैं, लेकिन ऐसा वे गरिमा और संगीतमयता के साथ करती हैं। इसी तरह, 'शरारत करने को ललचाये रे मेरा मन' गाना चंचलता भरी चाहत को बिना अश्लीलता की सीमा पार किए व्यक्त करता है।

रोमांस की और भी गहरी प्रत्यक्ष अभिव्यक्तियों को भी नफासत से गढ़ा गया था। श्रोता स्पष्टता की बजाय अपरोक्ष संकेतों के माध्यम से अंतरंगता को महसूसता है, जिससे कल्पना को पूरी तस्वीर बनाने का अवसर मिलता है। कालजयी गीत 'बांहों में चले आओ' (मजरूह सुल्तानपुरी) पर भी विचार करें, जो उकसाने के बजाय गर्मजोशी और स्नेह के साथ निकटता का निमंत्रण है। या फिर भावपूर्ण गीत 'रात अकेली है, बुझ गए दीये...' जो सौम्य अंतरंगता का माहौल रचता है। ऐसी रचनाएं दर्शाती हैं कि भावनात्मक गहराई और गरिमा कैसे एक साथ हो सकती हैं। पुराने गीतों की रचना में रूपकों ने अहम भूमिका निभाई। 'मैं नदिया फिर भी मैं प्यासी' जैसी अभिव्यक्तियां काव्य-समृद्धि के साथ विरह को व्यक्त करती हैं, जबकि 'तेरे लबों को चूम लूं मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टत: उत्तेजक होते हुए भी परिष्कृत रहती हैं। महत्वपूर्ण यह है कि जवानी और चाहत के विषयवस्तु वाले गीत-'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी', या 'आज मैं जवान हो गई हूं'-एक नाजुक संतुलन बनाए रखते थे। उनका चंचल अंदाज़ और काव्यात्मक आवरण यकीनी बनाता था कि अभिव्यक्ति अभद्रता के स्तर तक न गिरे। हालांकि, यह कहना गलत होगा कि आधुनिक संगीत में परिष्कृतता नहीं है।

हनुमान जयंती

नासै रोग हरैं सब पीरा...

हर साल चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि पर हनुमान जयंती मनाई जाती है। इस दिन का भक्तों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पौराणिक और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन संकटमोचन हनुमान जी का अवतरण हुआ था, इसलिए देशभर में इस दिन उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग सच्चे मन से इस दिन बजरंगबली की पूजा-अर्चना करके उनके प्रिय चीजों का भोग लगाते हैं तो उनके जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस साल हनुमान जन्मोत्सव 2 अप्रैल 2026 को मनाया जाएगा। हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसी वजह से हर मंगलवार हनुमान जी की विशेष पूजा की जाती है। इसके अलावा शनिवार भी हनुमान जी को प्रिय है।

पूजा विधि

हनुमान जयंती के दिन सुबह सूर्योदय से पूर्व स्नान करें। बजरंगबली के समक्ष व्रत का संकल्प लें। इस दिन पीला या फिर लाल रंग का वस्त्र धारण करना शुभ होता है। हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली को सिंदूर में चमेली का तेल मिलाकर चोला चढ़ाएं। चमेली के तेल का दीपक लगाकर, गुलाब के फूलों की माला अर्पित करें। हनुमान जी को एक साबुत पान का पत्ता चढ़ाएं। बजरंगबली का प्रिय भोग गुड़-चना पूजा में शामिल करें। बूंदी के लड्डू भी अर्पित कर सकते हैं। अब हनुमान चालीसा का 7 बार पाठ करें। इस दिन घर में रामायण पाठ करना श्रेष्ठ होता है। आरती के बाद जरुरतमंदों को यथाशक्ति वस्त्र, अन्न, धन का दान दें।

जन्मकथा

शास्त्रों में वर्णन है कि श्रृंगी ऋषि की यज्ञ में पूर्णाहुति के बाद अग्निदेव के हाथों मिली खीर को राजा दशरथ ने तीनों रानियों में बांटा। इसी दौरान वहां पहुंची एक चील प्रसाद की खीर का एक कटोरा चोंच में भरकर उड़ गई। यह हिस्सा किष्किंधा पर्वत पर भगवान शिव की उपासना कर रही अंजनी माता की गोद में जाकर गिरा। माता अंजनी से इस प्रसाद को ग्रहण किया, मान्यता है इससे फलस्वरूप देवी अंजनी की कोख से हनुमान जी ने जन्म लिया। बजरंगबली को वायु पत्र भी कहा जाता है।

श्रीराम भक्त को प्रसन्न करने के लिए लगाएं ये भोग

इमरती या जलेबी

हनुमान जयंती पर आप पवनपुत्र को इमरती या जलेबी का भोग लगा सकते हैं। ऐसा बताया जाता है कि उन्हें यह दोनों ही चीजें बेहद प्रिय हैं। ये भोग स्वरूप उन्हें अर्पित करने से जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

पान का बीड़ा

हनुमान जयंती के दिन आप अंजनीपुत्र को पान का बीड़ा भी भोग स्वरूप चढ़ा सकते हैं। ऐसा करने से दुश्मन से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं जीवन की समस्याएं दूर होती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि इसमें चूना, तंबाकू जैसी चीजें शामिल नहीं होनी चाहिए।

बेसन के लड्डू

रामजी के प्रिय भक्त हनुमान को आप उनके जन्मोत्सव पर बेसन के लड्डू भी चढ़ा सकते हैं। ये उनका प्रिय भोग है। ऐसा बताया जाता है कि यह भोग लगाने से भक्तों की सभी जायज मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

बूंदी के लड्डू या बूंदी

हनुमानजी को बूंदी के लड्डू या बूंदी का भोग कभी भी लगाया जा सकता है। ऐसा कहा जाता है कि ये दोनों चीजें चढ़ाने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं। साथ ही भक्तों को मनचाहा वरदान देते हैं।

हंसना मना है

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब.. मेरे पति को रात में बड़बड़ाने की आदत है, कोई उपाय बताएं? डॉक्टर- आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा-मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिए! पति- ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

पापा: नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा: मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

कहानी — लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बड़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बड़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। किस्मत मेहरबान रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

वृषभ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा।

मिथुन

पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह

कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या

वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला

शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु

किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी।

मकर

पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किस्मत मेहरबान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

इजरायल-ईरान युद्ध की वजह से टली शाहरूख की फिल्म किंग की शूटिंग

सा पठान फिल्म के बाद निर्देशक सिदार्थ आनंद और शाहरुख खान की जोड़ी फिल्म किंग के जरिए वापसी करने के लिए तैयार है। लंबे समय से किंग की चर्चा खूब हो रही है, लेकिन फिलहाल जो खबर सामने आ रही है, वह हैरान करने वाली है। बताया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को मद्देनजर रखते हुए किंग की शूटिंग फिलहाल के लिए टाल दी गई है।

मध्य पूर्व एशिया में चल रहे अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष का असर हिंदी सिनेमा पर भी खूब दिख रहा है। पहले इसके कारण यश अभिनीत फिल्म टाक्सिक-ए फेयरी टेल फार ग्रोन अप्स की प्रदर्शन तिथि बदली गई, फिर नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म रामायणम् का रामनवमी पर होने वाला कार्यक्रम रद हुआ।

अब इसका असर हिंदी सिनेमा के बादशाह अभिनेता शाह रुख खान की आगामी फिल्म किंग पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, किंग के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की योजना नौ अप्रैल से दुबई में फिल्म के एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग करने की थी।

यह सीन अभिनेता अनिल कपूर तथा अभिनेत्री और शाह रुख की बेटी सुहाना खान के साथ शूट किया जाना था। हालांकि, वर्तमान में पश्चिम एशिया में पिछले एक महीने से जारी संघर्ष की स्थिति को देखते हुए सिद्धार्थ ने दुबई शेड्यूल रद कर दिया है। अब वह इस सीन को मुंबई में ही एक स्टूडियो में फिल्माने की योजना पर काम कर रहे हैं। उसके लिए मुंबई के विले पार्ले स्थिति एक स्टूडियो में दुबई का सेट स्थापित किया जा रहा है। बता दें कि किंग में सुहाना पहली बार अपने पिता शाह रुख खान के साथ नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और काजोल भी अहम भूमिकाओं में हैं। शाह रुख खान की किंग को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट काफी हाई है। गौर किया जाए मूवी की रिलीज डेट की तरफ तो 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के मौके पर इस मूवी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बता दें कि इस मूवी में शाह रुख अपनी बेटी सुहाना खान संग नजर आएंगे।

फिल्म टॉक्सिस में नादिया के किरदार को लेकर उत्साहित हैं कियारा आडवाणी

के जीएफ स्टार यश की फिल्म टॉक्सिक अपनी अलग और डार्क कहानी के साथ चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म की खास बात इसका दमदार स्टारकास्ट है, जहां कई एक्ट्रेसेस एक साथ नजर आने वाली हैं। इसी बीच कियारा अडवाणी ने अपने किरदार को लेकर खुलासा किया है।

बता दें, फिल्म में कियारा आडवाणी नादिया का रोल प्ले कर रही है। वहीं अब हाल ही में कियारा आडवाणी ने अपने किरदार को लेकर बात की है। कियारा ने अपने किरदार को लेकर बताया कि टॉक्सिक में नादिया मेरे लिए अब तक का सबसे अलग और अनोखा किरदार है।

उन्होंने आगे कहा कि गीतू मोहंदास ने जिस तरह इस कैरेक्टर को लिखा है और इसकी जर्नी को शेप दिया है, उसने मुझे काफी एक्साइटेड किया। मैं इस चैलेंज को अपनाने और उनके विजन के हिसाब से इस रोल को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार थी। कियारा के इस बयान से साफ है कि फिल्म टॉक्सिक में उनका रोल दमदार और इंट्रेस्टिंग होने वाला है। बता दें फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है, जिसमें एक्ट्रेस काफी ग्लैमरस लुक में नजर आई। पोस्टर में वह स्टेज पर नंगे पांव खड़ी हैं, उनकी आंखों में दर्द और एक गहरी कहानी झलक रही है। फैंस उन्हें इस अंदाज में देखने के लिए बेहद एक्साइटेड है।

बता दें फिल्म का पहला तबाही भी रिलीज हो चुका है, जिसमें यश और कियारा आडवाणी नजर एक साथ नजर आए। फिलहाल इसका सिर्फ ऑडियो वर्जन सामने आया है। गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है। इसे हिंदी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया गया है।

बॉलीवुड | मन की बात

खुशी है कि फर्जी 2 में मुझे मारा नहीं गया मैंने लोगों को मारा : कुब्रा सैत

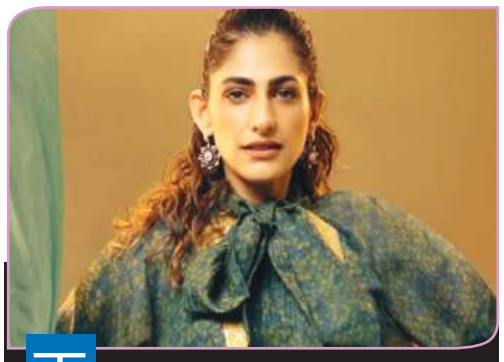

कु ब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था? दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां। कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, ठीक है। उन्होंने कहा, आपको पहले सीजन एक करना होगा। मैंने कहा, ठीक है। बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी। प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती। समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं।

जैन धर्म की है अनोखी परंपरा: भगवान के माता-पिता बनने के लिए लगी लाइन!

खंडवा शहर में इन दिनों एक ऐसी परंपरा चर्चा में है, जिसे सुनकर कोई भी चौंक जाए। यहां लोग भगवान के माता-पिता बनने के लिए लाइन में लगे हैं। ये कोई मजाक नहीं, बल्कि जैन समाज की एक बेहद पवित्र और खास परंपरा है, जिसे पाने के लिए लोग सालों तक इंतजार करते हैं।

बजरंग चौक स्थित 45 साल पुराने महावीर दिगंबर जैन मंदिर में पांच दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव होने जा रहा है। यह आयोजन मुनिश्री आदित्य सागर महाराज के सानिध्य में होगा। इस दौरान भगवान की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाती है और उन्हें पूजनीय स्वरूप में स्थापित किया जाता है। इस आयोजन की सबसे खास बात यही है कि इसमें श्रद्धालुओं को भगवान के माता-पिता बनने का अवसर मिलता है। इसके लिए पर्ची और बोली के जरिए चयन किया जाता है। कई लोग पहले से इच्छा जताते हैं, लेकिन अंतिम फैसला परंपरा और गुरु के अनुसार होता है। इस मौके के लिए कई बार लाखों रुपये तक की बोली लगाई जाती है। लेकिन समाज के लोग मानते हैं कि यह सिर्फ पैसे का नहीं, बल्कि आस्था और त्याग का विषय है। इस भूमिका को निभाने के लिए व्यक्ति को अपने जीवन में कई बदलाव करने पड़ते हैं। समाज की नीता अमर लुहाड़िया और सचिव सुनील जैन के मुताबिक, यह जैन समाज का सबसे बड़ा आयोजन है और खंडवा में चौथी बार हो रहा है। पूरे निमाड़ क्षेत्र में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह है और लोग बढ़-चढ़कर इसमें भाग ले रहे हैं। इस आयोजन में भगवान के जीवन के पांच प्रमुख कल्याणकों का वर्णन होता है। साथ ही इंद्र-इंद्राणी बनने का भी मौका मिलता है। यह परंपरा सालों से चली आ रही है और लोगों के लिए इसे पाना किसी बड़े सौभाग्य से कम नहीं माना जाता।

अजब-गजब | इस देश में मुफ्त में भी नहीं रहना चाहते हैं लोग

दुनिया का वो देश जहां खाली पड़े हैं लाखों घर

दुनिया के कई बड़े शहरों में आज लोगों के लिए एक छोटा सा घर खरीदना या किराए पर घर लेना भी बेहद मुश्किल हो गया है। कहीं लोग महंगे किराए से परेशान हैं, तो कहीं जगह की इतनी कमी है कि लोग छोटे-छोटे कमरों में भी 4 से 5 लोग रहने को मजबूर हैं। लेकिन इसी दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां लाखों घर खाली पड़े हैं और सरकार खुद लोगों को वहां बसने के लिए बुला रही है। हैरानी की बात यह है कि मुफ्त में घर मिलने के बावजूद भी लोग वहां रहने के लिए तैयार नहीं हैं।

दरअसल, यह मामला जापान का है, जो अपनी मॉडर्न तकनीक और अनुशासन से भरे जीवनशैली के लिए जाना जाता है। आज जापान एक अनोखी समस्या से जूझ रहा है, देश में करीब 90 लाख घर खाली पड़े हैं। इन घरों को वहां के लोगों के भाषा में 'अकिया' कहा जाता है, यानी ऐसे घर जिनमें कोई रहने वाला नहीं है। ये घर पूरी तरह से बने हुए हैं और कई में बुनियादी सुविधाएं भी मौजूद हैं, लेकिन लंबे समय से बंद रहने के कारण ये वीरान हो चुके हैं। इन घरों के खाली होने की सबसे बड़ी वजह जापान की तेजी से घटती जनसंख्या है। लोग अब पहले की तरह शादी नहीं कर रहे हैं और बच्चे भी कम हो रहे हैं। इससे परिवार छोटे होते जा रहे हैं और कई घरों में रहने वाला कोई बच ही नहीं रहा है। इसके अलावा, युवा पीढ़ी गांवों और छोटे कस्बों को छोड़कर बड़े शहरों जैसे टोक्यो की ओर जा रही है, जहां नौकरी और बेहतर सुविधाएं मिलती हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जापान में कुल मकानों की संख्या 6 करोड़ से ज्यादा है, लेकिन इतने लोग नहीं हैं जो उनमें रह सकें। 2019 के बाद से खाली घरों की संख्या तेजी से बढ़ी है और अब यह आंकड़ा 90 लाख तक पहुंच चुका है। इनमें से लाखों घर किराए पर भी उपलब्ध हैं, लेकिन फिर भी कोई रहने को तैयार नहीं हो रहा है। जापान में एक ऐसा नियम भी है, जो इस समस्या को और बढ़ा देता है। अगर कोई व्यक्ति अपने पुराने घर को गिरा देता है, तो उसे उस जमीन पर ज्यादा टैक्स देना पड़ता है। इसी कारण लोग जर्जर घरों को तोड़ने के बजाय वैसे ही छोड़ देते हैं, जिससे वे धीरे-धीरे खंडहर बनते जा रहे हैं।

इन पुराने घरों की हालत बहुत दिनों से खाली रहने की वजह से खराब हो चुकी है। इन घरों को रहने लायक बनाने के लिए भारी खर्च करना पड़ता है। यही वजह है कि लोग सस्ते या मुफ्त में घर मिलने के बावजूद भी वहां बसने से बचते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए जापान सरकार ने अकिया बैंक नाम का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत कई जगहों पर घर मुफ्त में या बहुत कम कीमत पर दिए जा रहे हैं। कुछ इलाकों में तो 100 वर्गमीटर का घर बेहद सस्ते में मिल जाता है। साथ ही, सरकार मरम्मत के लिए मदद भी करती है।

इतनी सुविधाओं के बावजूद लोग इन घरों में रहने के लिए तैयार नहीं हैं। इसका मुख्य कारण है इनका लोकेशन। ज्यादातर घर दूर-दराज के गांवों में हैं, जहां नौकरी, स्कूल, अस्पताल जैसी सुविधाएं सीमित हैं। इसलिए लोग यहां नहीं बसना चाहते है और ये घर खाली के खाली ही रह जाते हैं।

एलडीएफ की जीत चाहते हैं पीएम

राहुल बोले- एक वामपंथी व दक्षिणपंथी दल में गठबंधन कैसे और क्यों

» नेता प्रतिपक्ष ने कहा- संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा, भाजपा व एलडीएफ की संयुक्त ताकत से लड़ रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल के कन्नूर में राहुल गांधी ने पीएम मोदी व भाजपा पर करारा प्रहार किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि केरल में आगामी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) जीते। कन्नूर में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) एलडीएफ और भारतीय जनता पार्टी की संयुक्त ताकत से लड़ रहा है। यूडीएफ के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे सीपीआई (एम) के दो पूर्व नेता - वी कुन्हीकृष्णन और टी के गोविंदन - भी मंच पर मौजूद थे।

राहुल गांधी ने चुनाव को विचारधाराओं की लड़ाई बताया और वामपंथी और भाजपा के बीच एक असामान्य गठबंधन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। एक सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे की और दूसरी यूडीएफ की। पहली बार हम भाजपा और वाम मोर्चे के बीच साझेदारी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद आश्चर्यजनक है कि एक वामपंथी दल एक अति दक्षिणपंथी दल के साथ गठबंधन कर रहा है, क्योंकि दोनों की विचारधाराएं एक-दूसरे के बिलकुल विपरीत हैं। गांधी ने कहा कि तो सवाल यह है कि एक वामपंथी दल एक दक्षिणपंथी दल के साथ गठबंधन कैसे कर सकता है? यह एक पहेली की तरह है। उन्होंने पूछा कि इस पहेली के कुछ जवाब मंच पर मौजूद हैं। यहां सीपीआई(एम) के दो दिग्गज नेता मौजूद हैं। वे हमारे मंच पर क्यों बैठे हैं,सीपीआई(एम) और मुख्यमंत्री के लिए प्रचार क्यों नहीं कर रहे? गांधी ने आरोप लगाया कि जिसे आज वाम मोर्चा कहा जाता है, वह अब न तो वामपंथी है और न ही मध्यमार्गी। उन्होंने कहा कि दरअसल, वे भाजपा के साथ इसलिए साझेदारी कर रहे हैं क्योंकि वे कॉरपोरेट पार्टियां हैं। वे अब जनता की पार्टियां नहीं रहीं। इसका सबूत अब मंच पर मौजूद है। वामपंथी विचारधारा वाले लोग कांग्रेस के साथ हैं और पार्टी उनका समर्थन कर रही है।

सबरीमाला सोने की चोरी का मुद्दा उठाने से बचते हैं भाजपाई

केरल में भाजपा के रुख पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री अन्य जगहों पर धर्म और मंदिरों के बारे में अक्सर बोलते हैं, लेकिन केरल में सबरीमाला सोने की चोरी का मुद्दा उठाने से बचते हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सबरीमाला सोने की चोरी में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता शामिल थे और भाजपा पर इस मामले पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा, जो खुद को हिंदू हितों का रक्षक बताती है, केरल में इस मुद्दे को इसलिए नहीं उठा रही है क्योंकि वह एलडीएफ को सत्ता में बनाए रखना चाहती है।

केंद्र की वजह से रेल विकास की परियोजनाओं में हुई देरी

» पश्चिम बंगाल में भाजपा व टीएमसी का एक दूसरे पर तीखा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा व टीएमसी एक दूसरे पर तीखा प्रहार कर रहे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ने देबरा में जनसभा में बताया कि कैसे बेहतर सुविधाओं, कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों की शुरुआत से इस क्षेत्र का कायापलट हो गया है। उन्होंने रेल मंत्रालय पर क्षेत्र में परियोजनाओं में देरी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्षों पहले स्वीकृत फ्लाईओवर और उससे संबंधित कार्य अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा, हमने राजीव बनर्जी को देबरा से टिकट दिया है। मेरे साथ श्रीकांत महतो और अजीत मैती हैं। वे क्रमशः सालबोनी और पिंगला से चुनाव लड़ रहे हैं। रेल मंत्रालय यहां फ्लाईओवर का निर्माण पूरा नहीं कर रहा है। यह मेरे कार्यकाल में स्वीकृत हुआ था। अगर वे काम पूरा नहीं करेंगे, तो हम पुल के नीचे होने वाले अपने काम को कैसे पूरा कर पाएंगे? मैं संबंधित अधिकारियों से काम पूरा करने का आग्रह करती हूं।

उन्होंने बताया कि देबरा में हमने एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाई और आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण किया है। यहां एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाया गया है। ग्रामीण अस्पताल में बाल देखभाल को प्राथमिकता दी गई है। हमने 120 से अधिक सड़कों का निर्माण और जीर्णोद्धार किया है। हमने पुल भी बनाए हैं। सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की सीएम की शिकायत

भाजपा ने बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर ममता पर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को भंग करने वाले भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया। शिकायत में मतदाताओं को डराने-धमकाने के विशिष्ट उदाहरणों का हवाला देते हुए पार्टी ने कहा 25 मार्च को उत्तरी बंगाल के मैनागुड़ी में एक जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर कहा था कि चुनाव के बाद जनता को अपने घरों के बाहर मैं भाजपा का समर्थन नहीं करता लिखे पोस्टर लगाने के लिए मजबूर किया जाएगा।

पलानीस्वामी भाजपा के आक्रामक गुलाम हैं : उदयनिधि

» उपमुख्यमंत्री बोले- तमिलनाडु में भाजपा को लाने का प्रयास कर रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने तिरुवन्नामलाई में एक चुनाव अभियान बैठक के दौरान विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी की भाजपा के आक्रामक गुलाम के रूप में आलोचना की। एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि हमने उग्र भक्तों और उग्र पार्टी कार्यकर्ताओं को देखा है, लेकिन एडप्पाडी पलानीस्वामी भाजपा के उग्र गुलाम के रूप में खड़े हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पलानीस्वामी मोदी के अधीन हो गए हैं और तमिलनाडु में भाजपा को लाने का प्रयास कर रहे हैं।

उदयनिधि स्टालिन ने वेलू की पिछली जीत का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें 95,000 वोटों का भारी अंतर प्राप्त हुआ था और उन्होंने मतदाताओं से आगामी चुनाव में इस अंतर को एक लाख तक बढ़ाने का आग्रह किया। उदयनिधि ने पिछले पांच वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र में पूरी हुई विकास परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें बस स्टैंड का जीर्णोद्धार, सड़कों का चार लेन राजमार्गों में रूपांतरण, एकीकृत शिक्षा कार्यालय, 56 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सरकारी आदर्श विद्यालय भवन, नहरों का जीर्णोद्धार, अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वच्छता कार्य, जन शिकायत निवारण केंद्र, मंदिरों के आसपास पक्की सड़कें और अंतरराष्ट्रीय सभागार जैसे पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे शामिल हैं।

नगर निगम का वर्ष 2025-26 में 1660 करोड़ हुआ टैक्स कलेक्शन

» देर रात तक नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त खुद बैठकर करते रहे मॉनिटरिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत में अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाते हुए नया इतिहास रच दिया है। इस बार निगम ने करीब 1660 करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। बीते वित्तीय वर्ष (2024-25) में नगर निगम केवल 1330 करोड़ रुपये ही वसूल पाया था। इस साल निगम ने न केवल अपने पुराने प्रदर्शन को पीछे छोड़ा, बल्कि राजस्व में लगभग 330 करोड़ रुपये की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार देर रात तक गहमागहमी बनी रही। नगर आयुक्त गौरव कुमार खुद मोर्चा संभाले हुए थे और देर रात तक अधिकारियों के साथ बैठक कर पल-पल की मॉनिटरिंग करते रहे। जोनल अधिकारियों और टैक्स इंस्पेक्टर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि वसूली का आंकड़ा अधिकतम स्तर तक पहुंच सके। नगर निगम में सभी आठों जोन के हाउस टैक्स कलेक्शन को देखा जाए तो पिछले साल का भी रेकॉर्ड टूट गया हे। मौजूदा वित्त वर्ष में लक्ष्य 625 करोड़ रुपये था। जिसे पार करते हुए नगर निगम ने मंगलवार रात 8 बजे तक 720 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। यह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 145 करोड़ रुपये ज्यादा है।

प्रचार और पार्किंग ने भी वसूली में तोड़ा रेकॉर्ड

अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि, प्रचार विभाग ने इस वित्त वर्ष में सभी वर्षों का कमाई में रेकॉर्ड तोड़ चुका है। इस वर्ष प्रचार विभाग ने करीब 17 करोड़ रुपये की कमाई की है। जबकि पिछले वर्ष महज 6 करोड़ रुपये की प्रचार से कमाई हो पाई थी। इसके साथ पार्किंग शुल्क से भी बड़ी कमाई हुई है। पार्किंग से 5 करोड़ रुपये राजस्व आया है। पिछले वर्ष यह वसूली 3 करोड़ रुपये थी। वहीं यूजर चार्ज (कूड़ा उठान का शुल्क) से इस वर्ष 30 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। पिछले वर्ष यह आंकड़ा महज 18 करोड़ रुपये ही था। ऐसे में नगर निगम ने इस दफा सभी रेकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

लखनऊ सहित कई जिलों में सुबह से बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी और आसपास के जिलों में 31 मार्च की रात से मौसम ने करवट ली है। मंगलवार देर रात शुरू हुई हल्की बूंदाबांदी ने बुधवार की सुबह सुबह तक झमाझम बारिश का रूप ले लिया। शहर के गोमती नगर, हजरतगंज, आलमबाग, अंसल और पीजीआई समेत कई इलाकों में सुबह से ही रुक-रुक कर बरसात हो रही है, जिससे पिछले कुछ दिनों से बढ़ रही तपिश में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण लखनऊ के तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। सुबह का न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेंटिग्रेट के आसपास दर्ज किया गया, जबकि ठंडी हवाओं के चलने से मौसम खुशनुमा बना हुआ है। बारिश का यह सिलसिला अगले 24 से 48 घंटों तक जारी रह सकता है। लखनऊ और आसपास के जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

लखनऊ का पहला मुकाबला दिल्ली से आज

» पंत से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद, दिल्ली के सामने ओपनिंग की समस्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच बुधवार को आईपीएल 2026 का मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में सबसे ज्यादा नजर लखनऊ के कप्तान पंत पर होगी जो अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे। वहीं, दिल्ली के सामने ओपनिंग जोड़ी की चुनौती होगी क्योंकि इस टीम ने पिछले सीजन ओपनिंग संयोजन में काफी बदलाव किए थे। दोनों टीमों के बीच ये मैच लखनऊ के अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में होगा। पिछले साल लखनऊ टीम के साथ बतौर कप्तान और स्टार बल्लेबाज अपने पहले साल में पंत अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके थे।

इस साल उनके पास मोहम्मद शमी तथा एनरिच नॉर्त्जे जैसे अनुभवी गेंदबाजों के आने से आक्रमण मजबूत हुआ है। स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी ने पहले साल में ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी थी और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे। गेंदबाजी की तुलना में लखनऊ की बल्लेबाजी बेहतर लग रही है। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम आईपीएल की सबसे खतरनाक सलामी जोड़ियों में से है। पंत तीसरे नंबर पर जबकि निकोलस पूरन चौथे नंबर पर खेलेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सत्र में सात सलामी जोड़ियों को आजमाया लेकिन बात नहीं बनी। इस सत्र में उन्हें शीर्षक्रम में स्थिरता की उम्मीद होगी। केएल राहुल पारी का आगाज करेंगे लेकिन उनके साथ पृथ्वी शॉ, अभिषेक पोरेल या पाथुम निसांका में से कौन होगा, अभी तय नहीं है। मध्यक्रम को मजबूती देने के लिए डेविड मिलर को लाया गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स भी टीम में हैं। चोट के कारण मिचेल स्टार्क पहला मैच नहीं खेल सकेंगे लेकिन दिल्ली का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है। कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे दो मैच विनर उसके पास हैं। उनके साथ लुंगी एनगिदी भी हैं जो टी20 विश्व कप में जबरदस्त फॉर्म में थे।

कूपर ने प्रसिद्ध की मेहनत पर फेरा पानी पंजाब ने जीता मैच

मुल्लांपुर। कूपर कोनोली के दम पर पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से हराकर जीत से शुरुआत की। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में डेब्यू मैच खेलने वाले कोनोली ने शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जिससे पंजाब किंग्स ने 19.1 ओवर में सात विकेट पर 165 रन बनाकर मैच जीता। कोनोली और प्रभसिमरन सिंह ने दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी कर पंजाब को संभाला। एक समय प्रसिद्ध कृष्णा ने श्रेयस (18), शशांक सिंह (4) और मार्कस स्टोइनिस (0) को आउट कर पंजाब की पारी लड़खड़ा दी। हालांकि, कोनोली अंत तक टिके रहे और टीम को जीत दिलाकर पवेलियन लौटे। इससे पहले गुजरात ने शुरुआत अच्छी की, लेकिन टीम इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। युजवेंद्र चहल और विजयकुमार विशाक ने गुजरात की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी।

दुनिया पर नए तरह की संकट लाएगी लड़ाई

जीडीपी से लेकर अर्थव्यवस्था तक होगी धराशाई, विश्व में गैस-तेल की कमी से बढ़ेगी महंगाई, ईरान का कुवैत-बहरीन पर हमले, कतर के पास टैंकर क्षतिग्रस्त

» मिडिल ईस्ट में युद्ध का आज 33वां दिन

» पश्चिम एशियाई देशों में बढ़ेगी गरीबी, अमेरिका-इजरायल के भी ईरान पर हमले जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ीं जंग का आज 33वां दिन है अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। जहां जान-माल की क्षति तो हो ही रही है अब ये लड़ाई सामाजिक व आर्थिक नुकसान की ओर तेजी से बढ़ रही है। यूपी की रिपोर्ट प्रभावित देशों की जीडीपी को भारी नुकसान होगा साथ ही लाखों लोगों के गरीबी रेखा के नीचे जाने के आसार है।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच मिडिल-ईस्ट में चल रहे संघर्ष को एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है और इस दौरान सैन्य कार्रवाई, कूटनीतिक तनाव और दुनिया में चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

कुवैत, कतर और बहरीन पर हमले से भारी तबाही

कुवैत और बहरीन पर ताजा हमले हुए हैं और कतर के पास एक टैंकर क्षतिग्रस्त हो गया। सेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, कुछ देर पहले आईडीएफ ने ईरान की ओर से इजरायल की सीमा क्षेत्र की तरफ दागी गईं मिसाइलों का पता लगाया। इस खतरे को रोकने के लिए हमारे रक्षा तंत्र सक्रिय हो गए हैं।

आईडीएफ ने तेहरान में बड़े पैमाने पर हमले किए

इजरायली सेना ने कहा कि उसने बुधवार को तेहरान पर हमले किए, जहां ईरानी सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने कई इलाकों में धमाकों की खबर दी। सेना के एक संक्षिप्त बयान में कहा गया कि इजरायली सेना ने तेहरान में ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर हमलों की एक लहर पूरी कर ली है।

इजरायली सेना ने बताया कि बुधवार को ईरान की ओर से किए गए मिसाइल हमले का उसके हवाई सुरक्षा तंत्र ने जवाब दिया, जिसके बाद मध्य इजरायल के कई इलाकों में चेतावनी वाले सायरन बज उठे। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की राजधानी तेहरान पर अमेरिका और इजरायल ने बड़ा हमला किया। शहर के कई हिस्सों में तेज धमाकों की आवाज सुनाई दी। जिससे पूरे शहर में दहशत फैल गई. इसके बाद एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिव किया गया।

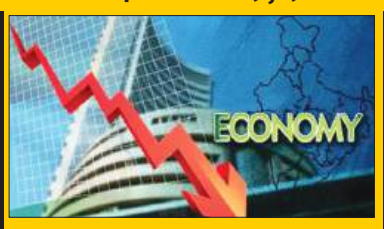

जीडीपी में भारी नुकसान

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम एशिया के देशों ने बीते साल यानी 2025 में जितनी कुल जीडीपी बढ़ोतरी की थी, ईरान युद्ध में उससे ज्यादा का अब तक नुकसान हो चुका है। साथ ही ये भी कहा गया है कि युद्ध जैसे-जैसे लंबा खिंचेगा, ये नुकसान और बढ़ता जाएगा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, इस युद्ध से पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं को उनकी सामूहिक जीडीपी का 3.7 से 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। यह नुकसान अधिकतम 194 अरब डॉलर तक हो सकता है। यह कुल आर्थिक नुकसान 2025 में पश्चिम एशिया क्षेत्र द्वारा हासिल की गई जीडीपी वृद्धि से भी अधिक हो सकता है।

40 लाख लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं

मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडिल ईस्ट- इकोनॉमिक एंड सोशल इम्प्लिकेशंस फॉर द अरब स्टेट्स रीजन शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बेरोजगारी दर में लगभग 4 प्रतिशत अंकों तक वृद्धि हो सकती है, जिससे करीब 36 लाख नौकरियां खत्म हो सकती हैं। यह संख्या 2025 में सृजित कुल नौकरियों से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते लगभग 40 लाख लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं।

4000 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया इजरायल ने ईरान में

इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने बुधवार को ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ चल रहे अपने सैन्य अभियान के पैमाने के बारे में विस्तार से बताया। आईडीएफ ने दावा किया कि यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के साथ मिलकर किए गए एक समन्वित हमले के तहत हजारों ठिकानों को निशाना बनाया गया है। एक्स पर एक पोस्ट में जारी एक वीडियो संदेश में आईडीएफ के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि यह संयुक्त अभियान का मकसद ईरानी आतंकी शासन और उसके प्रॉक्सी नेटवर्क को काफी हद तक कमजोर करना है।

लेबनान में मारा गया ईरानी कुद्स फोर्स का कमांडर अल जौहरी

इजरायली सेना ने लेबनान में ईरानी कुद्स फोर्स के कमांडर हुसैन महमूद मर्शाद अल-जौहरी को मार गिराने का दावा किया है। अल-जौहरी लेबनान में ईरानी कुद्स फोर्स की ऑपरेशंस यूनिट के कमांडर थे और सीरिया-लेबनान क्षेत्र में इजरायल के खिलाफ ऑपरेशन में शामिल थे। इजरायली सेना ने इस हमले का वीडियो भी जारी किया

लेबनान में इजरायली ड्रोन मार गिराया गया

इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की रात दक्षिणी लेबनान में एक ऑपरेशन के दौरान सतह से हवा में मार करने वाली एक मिसाइल ने इजरायल के एक सैन्य ड्रोन को मार गिराया।

ईरानी मिसाइलों के आगे अमेरिकी थाड नाकाम

अमेरिका के करोड़ों डॉलर के थाड एयर डिफेंस सिस्टम ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को सौ फीसदी रोकने में नाकाम रहे हैं। थाड की तैनाती के बाद भी ईरान की एडवांइस मिसाइल इजरायल से लेकर मिडिल ईस्ट के अन्य देशो में गिर रहे हैं। ऐसे में थाड एयर डिफेंस सिस्टम की क्षमता तो उठ ही रहे हैं।

यूएई की होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए जंग में कूदने की तैयारी

संयुक्त अरब अमीरात-यूएई होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए सैन्य कार्रवाई को तैयार दिख रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार यूएई अमेरिका और अन्य देशों के साथ मिलकर होर्मुज स्ट्रेट को सैन्य कार्रवाई के जरिए खोलने पर विचार कर रहा है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा